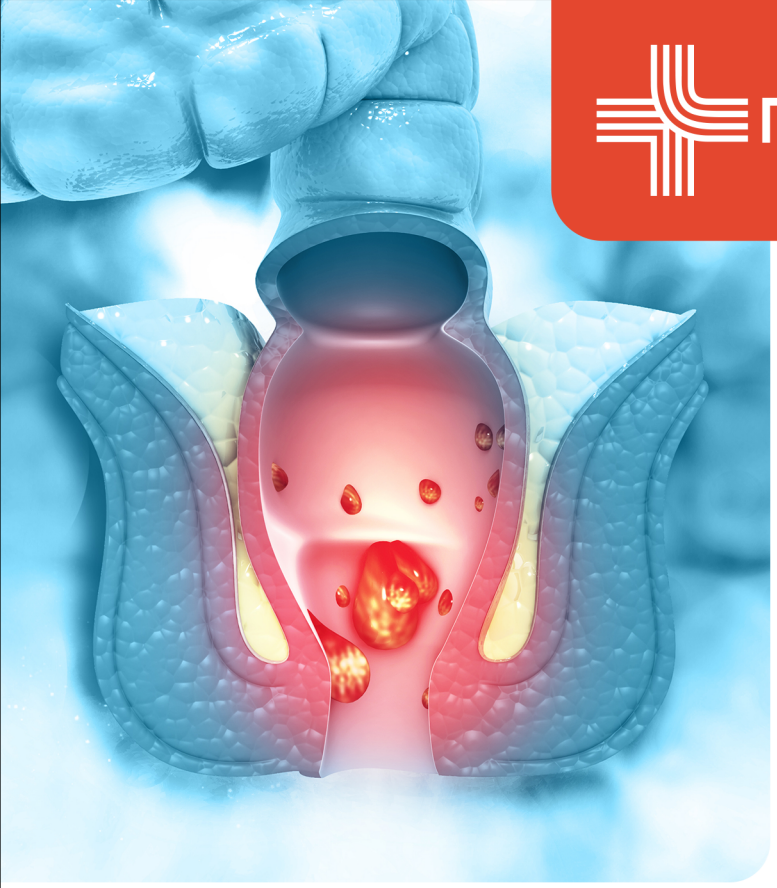

MEDANTA

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी

INSTITUTE OF DIGESTIVE AND HEPATOBILIARY SCIENCES

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी क्या होती है?

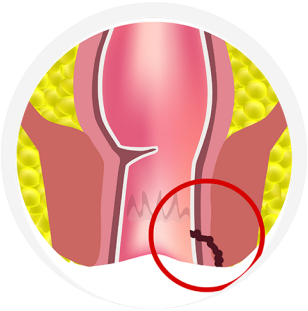

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी बवासीर के लिए एक मिनिमल इनवेसिव सर्जरी (शरीर पर न्यूनतम घाव करने वाली सर्जरी) है। बवासीर एक स्थिति है जिसमें गुदा या ऐनस (मल त्याग का अंग) के अंदरूनी और बाहरी हिस्से और मलाशय (रेक्टम) के निचले हिस्से की शिराओं में सूजन पैदा हो जाती है। स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी बवासीर को नहीं हटाती, बल्कि उसके चारों ओर ढीले हुए उस हेमोराहाइडल ऊतक को हटा देती है जिसके कारण बवासीर होता है।

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी की आवश्यकता कब पड़ती है?

सर्जन स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी की सलाह अक्सर तृतीय या चतुर्थ डिग्री अंदरूनी बवासीर में देते हैं (बवासीर जो गुदा के बाहर शारीरिक परीक्षण पर देखी जा सकती है)। तीसरे डिग्री बवासीर को उंगली से गुदा में वापस धकेला जा सकता है। वही, चौथी डिग्री की बवासीर हमेशा बाहर रहती है। कई बार डॉक्टर बवासीर से होने वाली अन्य तकलीफ जैसे की रक्तस्राव, अत्यधिक दर्द ,बैठने मे परेशानी के लिए भी स्टेपल हेमोरहाइडेक्टोमी की सलाह दे सकते है।

सर्जरी से पहले क्या सावधानियां बरतनी चाहिए?

सर्जरी की तैयारी निर्धारित तिथि से कुछ दिन पहले शुरू हो जाती है। इस दौरान:

- मरीज़ के रक्त और मूत्र परीक्षण किए जाते हैं।
- डॉक्टर को मरीज़ की नियमित दवाइयों और किसी दवा से किसी प्रकार की एलर्जी के बारे में अवश्य बताएं।
- डॉक्टर मरीज़ को कुछ देर पहले कुछ न खाने या पीने की सलाह दे सकते हैं।
- सर्जरी से कुछ देर पूर्व, मलाशय क्षेत्र और बड़ी आंत के निचले हिस्से को साफ करने के लिए एनीमा भी दिया जाता है।

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी के दौरान क्या होता है?

- सर्वप्रथम सर्जन मरीज़ को स्थानीय एनेस्थीसिया या सीडेटिव देते हैं।
- स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी में एक गोलाकार, खोखली ट्यूब को गुदा नलिका में डाला जाता है।
- इस ट्यूब के माध्यम से, एक लंबे धागे को गुदा के भीतर आंतरिक बवासीर के चारों ओर बुना जाता है।
- धागे के सिरों को नली के माध्यम से गुदा से बाहर लाया जाता है।
- एक स्टेपलर के द्वारा धागे के सिरों को खींच लिया जाता है जिसके साथ ढीले हुए हेमोराहाइडल ऊतक भी स्टेपलर के जबड़े में आ जाते हैं।
- इस प्रक्रिया में गुदा नलिका के भीतर ऊतकों को वापस उनकी सामान्य स्थिति में खींच लिया जाता है।
- इसके बाद स्टेपलर के द्वारा भीतर फंसे ढीले हेमोराहाइडल ऊतक को काट दिया जाता है और साथ ही ऊपरी और निचले कटे हुए किनारों को एक साथ स्टेपल किया जाता है।

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी के बाद क्या होता है?

- प्रक्रिया के बाद मरीज़ को रिकवरी कक्ष में स्थानांतरित किया जाता है, जहां एक मेडिकल टीम द्वारा उनके रक्तचाप, पल्स, तापमान, और अन्य शारीरिक माणकों पर नज़र रखेगी।
- अस्पताल से डिस्चार्ज के पहले डॉक्टर एक बार यह सुनिश्चित करते हैं कि मरीज़ को पेशाब या स्टूल पास करने में असमर्थता का अनुभव तो नहीं हो रहा।
- सर्जरी के बाद होने वाले दर्द को कम करने के लिए मरीज़ को कुछ दर्द-निवारक दवाएँ दी जाएंगी। दर्द से राहत पाने के लिए मरीज़ को गर्म पानी के सेंक का सुझाव दिया जायेगा।
- संक्रमण को रोकने के लिए मरीज़ को कुछ दवा भी प्रीस्क्राइब किए जा सकते है।
- मरीज़ के मल को नरम करने के लिए भी दवा दी जा सकती हैं।
- थोड़ा रक्तस्राव, विशेषकर पहले मल त्याग के दौरान, होना सामान्य है।
- मरीज़ को फाइबर वाले खाद्य पदार्थ के साथ-साथ बहुत सारे तरल पदार्थ के सेवन की सलाह दी जाती है।

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी के क्या जोखिम हो सकते हैं?

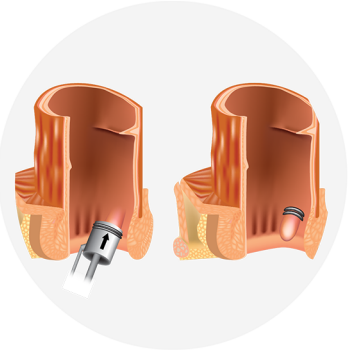

स्टेपल्ड हेमोरहाइडेक्टोमी में निम्नलिखित जोखिम हो सकते हैं:

- पेशाब करने में कठिनाई
- गुदाद्वार के आसपास के ऊतकों में सूजन
- प्रक्रिया क्षेत्र में संक्रमण
- घाव से भारी रक्तस्राव
- गुदा पर घाव
- गुदाद्वार मार्ग की सिकुड़ना
- बवासीर का दोबारा होना

किन परिस्थितियों में तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करें?

अगर मरीज़ को निम्नलिखित में से कोई भी लक्षण महसूस हो तो तुरंत डॉक्टर को सूचित करें:

- अत्यधिक दर्द (दर्द-निरोधक दवा असुविधा को पूरी तरह से समाप्त नहीं कर पा रही)
- अत्यधिक सूजन
- रक्तस्राव
- बुख़ार (तापमान 101.5 डिग्री फ़ारेनहाइट से ऊपर)
- सर्जरी के बाद आठ घंटे की अवधि के भीतर पेशाब करने में असमर्थता
- चीरे वाले स्थान में सूजन और छूने पर गर्म महसूस होना

24/7 सेवा

मेदांता **24X7**
आपातकालीन हेल्पलाइन

1068

अपॉइंटमेंट बुक करने
के लिए स्कैन करें

medanta हेल्पलाइन
890-439-5588
Visit us at : www.medanta.org

मेदांता नेटवर्क: गुरुग्राम । दिल्ली । लखनऊ । पटना । इंदौर । रांची । नोएडा *
शीघ्र प्रारम्भ